ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 | सितम्बर - I - 2022 | अंक - 11 | माउण्ट आबू | Rs.-10

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें रक्षासूत्र बांधते हुए ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। इस मौके पर संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई भी उपस्थित रहे।

सम्मेलन : ब्रह्माकुमारीज़ के शिपिंग, टूरिज्म विंग के त्रिदिवसीय सम्मेलन का सफल आयोजन

यहां से दुनिया को एक नया मार्ग दिखाया जा रहा है : श्रीपद नाइक

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में 'दया एवं करुणा से आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय के

अंतर्गत आयोजित शिपिंग एविएशन टूरिज़्म विंग के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान केंद्रीय पर्यटन राज्यमंत्री श्रीपद येस्सो नाइक ने शिरकत की। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा को याद करके, योगी बनके जीवन को अंतिम मार्ग, मोक्ष मार्ग पर ले जाने का कार्य ब्रह्माकुमारी संस्था कर रही है। यहां से दुनिया को एक नया मार्ग दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज जो संस्कार हमारी नई पीढ़ी में, बच्चों में आना चाहिए वह नहीं आ रहे हैं। क्योंकि हम उन्हें संस्कार तो देना चाहते हैं लेकिन वैसा व्यवहार हम खुद नहीं करते हैं। राज्यमंत्री नाइक ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में भारत अपनी सभ्यता और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। इसी से प्रभावित होकर दुनियाभर से लाखों लोग हर वर्ष यहां आते हैं। इसलिए टूरिज़्म मंत्रालय का प्रयास है कि जो भी टूरिस्ट विदेश से आते हैं वह यहां की अच्छी छवि लेकर जाएं। इसके लिए हम सभी को उनके साथ अच्छा व्यवहार करना होगा। भारत की संस्कृति को फिर से स्थापित करने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। विंग की उपाध्यक्ष ब्र.कु. मीरा बहन ने कहा कि हमारे भारत देश की संस्कृति बहुत उच्च है। भारत की अहिंसा एवं वसुधैव कुटुम्बकम वाली महान संस्कृति रही है। आज भले इसमें परिवर्तन आ गया है, लेकिन अब फिर से परमात्मा पुनः दैवी संस्कृति की स्थापना कर रहे हैं। विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. कमलेश बहन ने विंग की सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि विंग द्वारा चल रहे मेरा देश मेरी शान प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा से लोगों को अवगत कराना है। संचालन ब्र.कु. संगीता बहन ने किया।

स्वयं पर स्वयं दया और कृपा करें: ब्र.कु. डॉ. निर्मला

शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज़्म विंग की अध्यक्षा डॉ. ब्र.कु. निर्मला दीदी ने कहा कि दुनिया में सभी चाहते हैं कि हमारे संपर्क में जो भी आएं वह हमें दया और करुणा से देखें। स्वयं को स्वयं पर दया और कृपा करनी है। हेल्थ के लिए जैसे एक्सरसाइज़ ज़रूरी है, वैसे ही आंतरिक खुशी के लिए मेडिटेशन बहुत ज़रूरी है।

ब्र.कु. सतीश का केंद्रीय राज्यमंत्री ने किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री नाइक ने मधुर वाणी ग्रुप के अब तक 6 हज़ार से अधिक गीत लिख चुके ब्र.कु. सतीश भाई का शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो प्रदान कर सम्मान किया। इस मौके पर संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय एवं विंग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. संतोष ने भी विचार रखे।

जीवन वही श्रेष्ठ है जो प्रभु के नाम समर्पित हो जाये

हर्षोल्लास से हुआ पॉज़िटिव हेल्थ केयर सेंटर का उद्घाटन व 15 ब्रह्माकुमारी बहनों का समर्पण

पानीपत-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के थिराना रोड स्थित ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में दादी जानकी पॉज़िटिव हेल्थ केयर सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पानीपत सर्कल की 15 ब्रह्माकुमारी बहनों का समर्पण समारोह भी मनाया गया। समर्पण समारोह में 3500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि जीवन वही श्रेष्ठ है जो प्रभु के नाम समर्पित हो जाये। विश्व कल्याण के लिए इन कन्याओं ने जो अपना सर्वस्व आज समर्पित किया है इससे महान कार्य और कुछ भी नहीं हो सकता। उन्होंने समर्पित होने वाली बहनों को शुभ राय देते हुए कहा कि जीवन भर ट्रस्टी होकर रहना है। बुद्धि में यही रहे कि हमारा कुछ भी नहीं, सब उस परमात्मा पिता का है। राज्य सभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन इन बहनों ने मानव समाज के कल्याण हेतु आज जो अपना जीवन समर्पित किया है यह अति सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था एक विश्व व्यापी संस्था है जो शांति स्थापना के कार्य में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम लता बहन,निदेशिका,पंजाब ज़ोन ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बहुत धन्य हैं ऐसे माता-पिता जो अपनी बेटियों को प्रभु को अर्पण कर रहे हैं और ऐसे अलौकिक दृश्य को अपनी आँखों से देख रहे हैं। ज्ञान मानसरोवर निदेशक ब्र.कु. भारत भूषण भाई ने कहा कि मुझे खुशी होती है ये देखकर कि आज के मॉडर्न युग में भी ये बहनें दुनिया की चकाचौंध को छोड़ आध्यात्मिकता में अपनी रुचि रखे हुए हैं। संस्थान की सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने सभी मेहमानों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि अगर हम अपने समय व शक्ति को मानव की भलाई के कार्य में लगाएं तो हमारा जीवन आनंद से भरपूर हो सकता है। मौके पर ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई,पठानकोट द्वारा प्रस्तुत मधुर गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच संचालन ब्र.कु. विवेक,माउण्ट आबू तथा कुमारी शिवि ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। समर्पित होने वाली बहनों ने पूरी सभा के बीच ब्रह्माकुमारीज़ की धारणाओं को जीवन में अपनाने की प्रतिज्ञा की। साथ ही उनके माता-पिता ने खुद अपनी कन्या का हाथ संस्थान की अति.मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी के हाथों में सौंप दिया।

समर्पित होने वाली बहनों के नाम व स्थान

ब्र.कु. पूनम,दत्ता कॉलोनी, ब्र.कु. ममता,समालखा, ब्र.कु. सुनीता,मतलौडा, ब्र.कु. मंजू,सुखदेव नगर,एल्डिको, ब्र.कु. परवीन,अंसल सिटी, ब्र.कु. सुषमा,मॉडल टाउन, ब्र.कु. मोनिका,सोनीपत, ब्र.कु. दिव्या,बापौली, ब्र.कु. सोनिया,ज्ञान मानसरोवर, ब्र.कु. छवि,बिहोली, ब्र.कु. माफी,कंडेला, ब्र.कु. रजनी,मॉडल टाउन, ब्र.कु. गीता,भीलवाड़ा, ब्र.कु. नीतू,सिवाह तथा ब्र.कु. मंजीत,फीना,बिजनौर।